238 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है अमेरिका और भारत का द्विपक्षीय व्यापार वर्ष 2025 तक। यह साल 2018 में 142 अरब डॉलर था। यह बात अमेरिका में भारत के राजदूत हर्षवर्धन श्रृंगला पिछले दिनों कोलोराडो में एक कार्यक्रम के दौरान कही थी।

मारा गया ओसामा बिन लादेन का बेटा हमजा

आतंक पर अंकुश ▶ अपने पिता की मौत का बदला लेने के लिए अमेरिका को दी थी धमकी

न्यूयॉर्क टाइम्स से

गोपनीय अभियान के तहत अमेरिका ने की कार्रवाई

वाशिंगटन : अमेरिका के लिए एक वक्त बड़ा खतरा बनने वाले अलकायदा सरगना ओसामा बिन लादेन का बेटा हमजा भी मारा गया। हमजा (30) ने अपने पिता की मौत का बदला देने के लिए कई बार अमेरिका पर हमले की धमकी दी थी। यह हालांकि अभी साफ नहीं हो पाया है कि अलकायदा के उत्तराधिकारी माने जा रहे हमजा को कब और कहां ढेर किया गया। उसके पिता ओसामा को अमेरिका के सील कमांडो ने मई, 2011 में पाकिस्तान के एबटाबाद में मार गिराया था।

अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, हमजा को मार गिराने के अभियान में अमेरिकी सरकार की अहम भूमिका थी। उन्होंने इस गोपनीय अभियान के बारे में इस शर्त पर जानकारी दी कि उनके नामों को गुप्त रखा जाएगा। इन अधिकारियों ने हालांकि यह नहीं बताया कि जिस हमले में हमजा मारा गया, उसे कब और कहां अंजाम दिया गया था। उन्होंने सिर्फ इतना बताया कि ट्रंप प्रशासन के पहले दो साल के कार्यकाल के दौरान हमजा बिन लादेन मारा गया। उसे इस साल फरवरी में विदेश मंत्रालय के उस एलान से पहले मारा गया था, जिसमें हमजा का पता बताने वाले व्यक्ति को दस लाख डॉलर (करीब सात करोड़ रुपये) का इनाम देने की घोषणा की गई थी।

ओसामा के 20 बच्चों में एक था हमजा : अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने गत फरवरी में बताया था कि ओसामा के 20 बच्चों में हमजा 15वें स्थान पर है। उसकी तीसरी पत्नी से हमजा का जन्म हुआ था। अलकायदा ने हाल के सालों में उसके कई संदेश जारी किए थे। लेकिन पिछले कुछ माह से उसका कोई संदेश नहीं आया।

अलकायदा सरगना बनाने की थी तैयारी : फाउंडेशन फॉर द डिफेंस डेमोक्रेसिस के वरिष्ठ सदस्य थॉमस जॉस्लीन ने कहा, 'ऐसी संभावना है कि हमजा पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा से अपनी गतिविधियों को संचालित कर रहा था। उसे अलकायदा के अगले सरगना के तौर पर तैयार किया जा रहा था। तालिबान के साथ संबंधों में भी उसकी अहम भूमिका थी।'

अल-जवाहिरी की तलाश जारी : एक पूर्व अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि ओसामा बिन लादेन के मारे जाने के बाद अयमान अल-जवाहिरी को अलकायदा का सरगना बनाया गया था। अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआइए को उसकी अब भी तलाश है। सीआइए ने उसे खोजने के लिए 2012 और 2013 में पाकिस्तान के उत्तरी वजीरिस्तान इलाके में कई प्रयास किए थे। लेकिन उसके ठिकाने का पता नहीं चल सका था।

हमजा फाइल फोटो

ट्रंप ने नहीं दिया जवाब

ह्वाइट हाउस में बुधवार को जब पत्रकारों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से हमजा के मारे जाने के बारे में पूछा तो उन्होंने कुछ भी कहने से इन्कार कर दिया। उन्होंने कहा, 'मैं इस पर कुछ नहीं कहना चाहता।'

सात करोड़ रुपये का इनामी आतंकी था हमजा

दुनिया का खूंखार आतंकी संगठन अलकायदा का सरगना रहा ओसामा बिन लादेन का बेटा हमजा बिन लादेन के मारे जाना का दावा किया गया है। अमेरिका ने उसपर 10 लाख डॉलर यानी लगभग सात करोड़ रुपये इनाम की घोषणा की थी। हमजा तेजी से अलकायदा का प्रमुख नेता बनकर उभर रहा था।

हमजा के पिता आतंकी ओसामा को 2011 में मार गिराया था। फाइल

ओसामा का था सबसे प्रिय बेटा

हमजा बिन लादेन सऊदी अरब के जेद्दाह में 1989 को पैदा हुआ था। हमजा की जिहादी प्रवृत्ति को देखते हुए वह ओसामा के सबसे प्रिय बेटों में से एक था। उसका पूरा नाम हमजा बिन ओसामा बिन मोहम्मद बिन अवद बिन लादेन था।

आतंकी की बेटी से शादी

हमजा बिन लादेन ने 17 साल की उम्र में ईरान में अब्दुल्ला अहमद अब्दुल्ला की बेटी से शादी की। उसका ससुर भी अलकायता का आतंकी लीडर था। इस शादी के कई वीडियो सामने आए थे। अगस्त 2018 में हमजा के चाचा के हवाले से खबर आई थी कि उसने 9/11 के अपहर्ता मोहम्मद अता की बेटी से शादी की है, लेकिन हमजा के भाई उमर बिन लादेन ने इसका खंडन किया था।

पहले भी आई मारे जाने की खबर

जनवरी 2001 में जब हमजा 12 वर्ष का था, तभी अमेरिकी हवाई हमलों में उसके मारे जाने का वीडियो जारी किया गया था। यह तब की बात है जब हमजा अपने पिता लादेन के साथ दक्षिणी अफगानिस्तान के कंधार में अपने भाई की शादी में शामिल होने गया था। मार्च 2003 में भी हमजा और उसके भाई शाद बिन लादेन के घायल होने और पकड़े जाने की झूठी खबरें आई थीं।

बेनजीर भुट्टो की हत्या में आया नाम

वर्ष 2007 में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की हत्या करने में उसका नाम आया। इसके बाद वह ईरान में 2010 तक घर में नजरबंद रहा।

अमेरिका ने घोषित किया वैश्विक आतंकी

अमेरिका ने जनवरी 2017 में हमजा बिन लादेन को आधिकारिक तौर वैश्विक आतंकी सूची में शामिल किया था। उसे लादेन के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा था। उसकी आतंकी और आर्थिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए उसे ब्लैक लिस्ट में डाला गया। यहीं नहीं अमेरिका ने उसकी सूचना देने पर सात करोड़ रुपये इनाम देने की घोषित भी की थी।

अमेरिका ने ईरान के विदेश मंत्री पर लगाया प्रतिबंध

ईरान के विदेश मंत्री मुहम्मद जवाद जरीफ की फाइल फोटो। एएफपी

न्यूयॉर्क टाइम्स, वाशिंगटन : ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने बड़ी कार्रवाई की है। ट्रंप प्रशासन ने बुधवार को ईरान के विदेश मंत्री मुहम्मद जवाद जरीफ पर प्रतिबंध लगा दिया। ट्रंप प्रशासन के इस कदम से ईरान के साथ बातचीत की संभावनाएं पूरी तरह धूमिल हो गई हैं। अमेरिकी कार्रवाई का स्वागत करते हुए जरीफ ने कहा है कि इसका उन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। अमेरिका के कोषागार मंत्री स्टीवन मेंयूचिन ने कहा, 'ईरानी शासन को यह स्पष्ट संदेश देने वाला कदम है कि उसके हालिया कृत्य पूरी तरह अस्वीकार्य हैं। जरीफ ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामनेई के गैरजिम्मेदाराना एजेंडे पर अमल करते हैं।' इस कार्रवाई पर जरीफ ने कहा, 'अमेरिकी प्रतिबंध की वजह यह है कि मैं ईरान का दुनिया में प्रमुख प्रवक्ता हूं। इसका मेरे या मेरे परिवार पर कोई असर नहीं पड़ेगा क्योंकि ईरान के बाहर मेरी कोई संपत्ति नहीं है। आपका आभारी हूं कि आप अपने एजेंडे के लिए मुझे इतना बड़ा खतरा समझ रहे हैं।'

प्रतिबंध का क्या पड़ेगा असर : ट्रंप प्रशासन के प्रतिबंध के चलते जरीफ की अमेरिका में अगर कोई संपत्ति होगी तो वह जब्त कर ली जाएगी। वह अमेरिका में दाखिल भी नहीं हो सकेंगे। वह अक्सर ही अमेरिका स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में ईरानी मिशन का दौरा करते रहते हैं। इसके साथ ही यह सवाल भी खड़ा हो गया है कि अमेरिका के साथ अगर बातचीत का कोई रास्ता खुलता है तो ईरान की ओर से कौन अगुआई करेगा? वह 2013 से ईरान के विदेश मंत्री हैं।

अमेरिका से अच्छा जुड़ाव : ईरानी विदेश मंत्री जरीफ का अमेरिका से अच्छा जुड़ाव है। यही वजह यह है कि उन्होंने अमेरिका से ही पढ़ाई की है। अमेरिका खामनेई समेत ईरान के विशेष बल रिवोल्यूशनरी गार्ड्स और शीर्ष सैन्य प्रमुखों पर पहले ही प्रतिबंध लगा चुका है।

▶ ईरान को स्पष्ट संदेश देने के लिए ट्रंप प्रशासन ने की कार्रवाई

▶ जरीफ ने प्रतिबंध का किया स्वागत, कहा-कोई असर नहीं

रूहानी ने प्रतिबंध को बताया, बचकाना कदम

तेहरान, एपी : ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी ने विदेश मंत्री जरीफ पर प्रतिबंध लगाने के कदम को बचकाना और कूटनीतिक अवरोध करार दिया है। रूहानी ने कहा, 'वे (अमेरिकी) बचकाना काम शुरू कर रहे हैं। वे हर दिन दावा करते हैं कि बिना शर्त ईरान के साथ वार्ता करना चाहते हैं और फिर हमारे विदेश मंत्री पर प्रतिबंध लगाते हैं।'

परमाणु करार में निभाई थी अहम भूमिका : पिछले साल मई में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ हुए परमाणु करार से अमेरिका के हटने का एलान किया था। इसके साथ ही ईरान पर कई सख्त प्रतिबंध थोप दिए थे। तभी से दोनों देशों में तनाव चल रहा है। ईरान ने साल 2015 में अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, रूस, चीन और जर्मनी के साथ परमाणु करार किया था। इस करार में जरीफ ने अहम भूमिका निभाई थी।

ईरान के इन कृत्यों से बढ़ी तनातनी : अमेरिका ने ईरानी खतरे से निपटने के लिए पश्चिमी एशिया में विमानवाहक पोत और बमवर्षक विमान तैनात कर रखे हैं। हाल के महीनों में कई तेल टैंकरों पर हुए हमलों के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया गया था। ईरान ने गत जून में अमेरिका के एक निगरानी ड्रोन को मार गिराया था। इसके बाद ट्रंप ने ईरान पर हमले तक का आदेश दे दिया था, लेकिन अंतिम क्षणों में वह इससे पीछे हट गए थे। ईरान ने परमाणु करार का उल्लंघन करते हुए यूरेनियम संवर्धन भी तेज कर दिया है।

प्रदर्शनकारियों को चीन ने किया आगाह

हांगकांग, एएफपी : हांगकांग में चीन विरोधी आंदोलन को लेकर प्रदर्शकारियों को आगाह करते हुए चीन ने एक वीडियो जारी किया है। वीडियो में चीनी सेना द्वारा विरोधियों के खिलाफ की जाने वाली सैन्य कार्रवाई को दिखाया गया है। सैन्य अभ्यास को दिखाते इस वीडियो को बुधवार को सोशल मीडिया में हांगकांग की छावनी से जारी किया गया।

तीन मिनट के इस वीडियो में सेना के टैंक, हेलीकॉप्टर से दागी जा रही गोलियां, रॉकेट लांचर और अन्य सैन्य हथियारों को दर्शाया गया है। इसमें दंगे से निपटते सैनिकों को दिखाया गया है, जिसमें हेलमेट पहने चीन की सेना डंडे लिए विरोधियों के खिलाफ कार्रवाई में लगी है। एक सैनिक लाल झंडा लेकर आगे बढ़ रहा है जिसपर लिखा है- रुक जाओ वरना सेना बल प्रयोग करेगी। वीडियो के अंत में हाथ बंधे प्रदर्शनकारियों को हिरासत केंद्र की ओर ले जाते दिखाया गया है। वीडियो में हांगकांग में बोली जाने वाली स्थानीय भाषा का इस्तेमाल किया गया है, जिसमें प्रदर्शनकारियों को चेतावनी दी गई है। यह वीडियो उस दिन जारी किया गया है जिस दिन दर्जनों प्रदर्शनकारियों को दंगा फैलाने के आरोप में कोर्ट में पेश किया गया।

पीएलए डे पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच बैठक

चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के स्थापना दिवस के मौके पर गुरुवार को भारत और चीन की सेनाओं के बीच सिक्किम के पास लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) से सटे नाथुला में विशेष बॉर्डर पर्सनल मीटिंग (बीपीएम) हुई। एएनआइ

जागरण संवाददाता, कोलकाता : चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के 92वें स्थापना दिवस के मौके पर गुरुवार को भारत और चीन की सेनाओं के बीच सिक्किम के पास लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) से सटे नाथुला, दमाई और बुमला में विशेष बॉर्डर पर्सनल मीटिंग (बीपीएम) हुई। पीएलए के निमंत्रण पर भारतीय सैन्य प्रतिनिधिमंडल, जिसमें कई अधिकारी और सैनिक शामिल थे, स्थापना दिवस पर एलएसी के साथ विभिन्न स्थानों पर आयोजित बैठकों व समारोहों में हिस्सा लिया। पूर्वी सेना कमान की ओर से एक बयान में बताया गया है कि पीएलए के सैनिकों ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ सौहार्दपूर्ण माहौल में बात की और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सद्भावना के तौर पर भारतीय पक्ष की ओर से भी इस अवसर पर पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

पाक की भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी ने मरयम नवाज से की पूछताछ

लाहौर, प्रेट्र : पाकिस्तान की भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने मनी लांड्रिंग और आय से अधिक संपत्ति से जुड़े मामले में विपक्षी पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएन-एन) की उपाध्यक्ष मरयम नवाज से पूछताछ की। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की 45 वर्षीय बेटी मरयम से यह पूछताछ बुधवार को ठोकर नियाज बेग स्थित एनएबी के दफ्तर में की गई।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, एनएबी ने मरयम से चौधरी चीनी मिल के साथ अरबों रुपये के लेन-देन के बारे में जानकारी मांगी। इस चीनी मिल में अपने परिवार के अन्य सदस्यों के अलावा मरयम की भी हिस्सेदारी है। मरयम ने अपने जवाब में बताया कि इस बारे में सारी जानकारी पनामा पेपर लीक मामले की छानबीन करने वाली संयुक्त जांच टीम को उपलब्ध करा दी गई थी। मरयम से इस कंपनी के विदेशी हिस्सेदारों के बारे में भी पूछा गया था। एनएबी ने मरयम को मामले में पूरी जानकारी के साथ आठ अगस्त को फिर उपस्थित रहने को कहा है। एनएबी के दफ्तर से लौटने के बाद मरयम ने एक ट्वीट में कहा कि यह सुनियोजित तरीके से उन्हें और उनके परिवार वालों को प्रताड़ित करने की कोशिश है।

मरयम नवाज। फाइल

चीन में ऐतिहासिक टीवी कार्यक्रमों पर रोक

बीजिंग, रायटर : चीन में टेलीविजन ब्रॉडकास्टिंग रेग्यूलेटर अथॉरिटी ने ऐतिहासिक घटनाओं से जुड़े धारावाहिक व अन्य कार्यक्रमों पर रोक लगा दी है। इसके स्थान पर देशभक्ति से जुड़े कार्यक्रम दिखाने के लिए कहा गया है। सरकार नियंत्रित अथॉरिटी ने यह कदम चीन में कम्युनिस्ट पार्टी की सत्ता के 70 साल पूरे होने के मौके पर माहौल बनाने के लिए किया है। एक अक्टूबर 2018 से लागू समाचार और मनोरंजन कार्यक्रमों सेंसरशिप को धीरे-धीरे कर कड़ा किया गया है। रेग्यूलेटर अथॉरिटी ने 86 कार्यक्रमों की सूची देकर उन्हें बंद करने का आदेश दिया है। ये सभी चीन की ऐतिहासिक घटनाओं से संबंधित थे जिनमें लोग संघर्ष करते हुए सफल होते दिखाई गए थे। इनमें स्थापित व्यवस्था के खिलाफ आमजन संघर्ष करते दिखाई गए थे।

रेस्तरां से इस्लामी चिह्न और अरबी में लिखे शब्द हटवाए

बीजिंग, रायटर : चीन की राजधानी बीजिंग में प्रशासन ने सभी हलाल रेस्तरांओं को अरबी भाषा में लिखे अल्फाज और मुस्लिम प्रतीक चिह्न हटाने के आदेश दिए हैं। प्रशासन का तर्क है कि उसका यह कदम देश की मुस्लिम आबादी को मुख्यधारा से जोड़ेगा।

बीजिंग में 11 रेस्तरांओं हलाल मांस के उत्पाद बेचते हैं। वहां जाने पर पता चला कि सभी रेस्तरांओं से इस्लाम के प्रतीक चिह्न हटा दिए गए हैं और अरबी भाषा में लिखे अल्फाज दीवारों व साइन बोर्डों से मिटा दिए गए हैं। पता चला कि ऐसा लोक प्रशासन के अधिकारियों के आदेश पर किया गया। इनके स्थान पर बोर्ड में चीनी भाषा में उत्पाद के बारे में जानकारी देने के लिए कहा गया है। लेकिन उसमें भी कहीं इस्लाम धर्म का भाव प्रदर्शित नहीं होना चाहिए। नूडल्स में हलाल मांस का इस्तेमाल करने वाले एक रेस्तरां में तो सरकारी अधिकारियों ने खड़े होकर प्रतीक चिह्नों और अरबी में लिखी बातों को हटवाया। उन्होंने रेस्तरां के मैनेजर से कहा, विदेशी संस्कृति नहीं चीनी संस्कृति से जुड़ी बातें लिखें और प्रदर्शित करें।

चीन में चीनी भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने का अभियान सन 2016 से चल रहा है। इसके तहत कई मस्जिदों से खाड़ी के देशों में बनी मस्जिदों जैसे गुंबद हटवाए गए। मस्जिद प्रबंधन को चीनी पैगोडा में बनी छतों के आकार का निर्माण करने के लिए कहा गया। चीन में करीब दो करोड़ मुस्लिम हैं। कहने को उन्हें धार्मिक आजादी है लेकिन उन्हें सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की विचारधारा के अनुसार दिखावा किए बगैर धार्मिक गतिविधियां अंजाम देनी हैं।

यमन में सैन्य परेड पर मिसाइल हमले में 32 लोगों की मौत

अदन, रायटर/एपी : यमन के अदन शहर में गुरुवार को हाउती विद्रोहियों ने एक सैन्य परेड पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। इस हमले में 32 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हो गए। हमले की जिम्मेदारी लेने वाले ईरान समर्थित हाउती विद्रोहियों का राजधानी सना समेत यमन के ज्यादातर हिस्सों पर कब्जा है। सऊदी अरब के नेतृत्व वाली गठबंधन सेना 2015 से उससे मुकाबला कर रही है। अदन में सऊदी समर्थित सरकार का नियंत्रण है।

अधिकारियों के अनुसार, मिसाइल उस समय गिरी जब सैन्य परेड चल रही थी। यह परेड अदन के समीप ब्रेका शहर में निकाली गई थी। उन्होंने हालांकि यह नहीं बताया कि हमले में कितने सैनिकों की मौत हुई है लेकिन इतना जरूर कहा कि मृतकों में कई कमांडर शामिल हैं। हाउती विद्रोहियों के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याहिया सरिया ने कहा कि एक बैलिस्टिक मिसाइल से संयुक्त अरब अमीरात के प्रति वफादारी रखने वाले बलों को निशाना बनाया गया। यमन के अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार को अदन में एक पुलिस स्टेशन को भी निशाना बनाया गया। पुलिस स्टेशन में विस्फोटकों से भरी एक कार से धमाका किया गया।

एक और भारतीय जासूस पकड़ने का पाकिस्तान ने किया दावा

लाहौर, प्रेट्र : पाकिस्तान में पंजाब प्रांत की पुलिस ने डेरा गाजी खान कस्बे में एक 'भारतीय जासूस' को पकड़ने का दावा किया है। उसने कथित रूप से राजू लक्ष्मण नाम के व्यक्ति को तफ्तीश के लिए अपनी खुफिया एजेंसी के हवाले करने की भी बात कही है। हालांकि भारत ने साफ कर दिया है कि यह रिपोर्ट अप्रमाणिक है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने गुरुवार को कहा है कि अप्रमाणिक मीडिया रिपोर्ट पर हम कोई प्रतिक्रिया नहीं देंगे। हमें पाकिस्तान की ओर से इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

पाकिस्तानी मीडिया ने विगत बुधवार को दावा किया था कि पंजाब प्रांत की पुलिस ने लाहौर से 400 किमी दूर डेरा गाजी खान कस्बे में एक भारतीय जासूस को गिरफ्तार किया है। पाकिस्तानी मीडिया ने उसकी पहचान राजू लक्ष्मण के नाम से बताई है। लक्ष्मण को आगे की जांच के लिए किसी अज्ञात स्थान पर भेजा गया है। पाकिस्तानी पुलिस अधिकारी लियाकत लेघारी ने कहा कि 30 वर्षीय राजू को सीमा पर तैनात मिलेट्री पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इससे पहले पाकिस्तानी पुलिस ने दावा किया था कि लक्ष्मण को बलुचिस्तान प्रांत से कस्बे में प्रवेश करते हुए गिरफ्तार किया गया। बलूचिस्तान वही प्रांत है पाकिस्तान जहां से कुलभूषण जाधव को भी गिरफ्तार करने का दावा करता रहा है।

कांग्रेस ने कहा, पाक के झूठे प्रचार को रोके सरकार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर पर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त (ओएचसीएचआर) की मनगढ़ंत रिपोर्ट के आधार पर भारत को बदनाम करने के पाकिस्तान के प्रयासों पर चिंता जताई है। लोकसभा में कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने कहा कि पाकिस्तान इस बेबुनियाद और झूठी रिपोर्ट के आधार पर दुनिया में भारत की छवि खराब करने का घिनौना प्रयास कर रहा है। इसलिए, सरकार को पाकिस्तान की ऐसी हरकतों की अनदेखी नहीं करनी चाहिए। तिवारी ने शून्यकाल में यह मामला उठाते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त ने जम्मू-कश्मीर की परिस्थितियों पर हाल में दो रिपोर्ट जारी की है। इन दोनों रिपोर्ट को अज्ञात स्रोतों से मिली जानकारी के आधार पर तैयार किया गया है और इनमें पाकिस्तान की तरफ से भारत में फैलाए जाने वाले आतंकवाद को बिल्कुल नजरअंदाज कर दिया गया है। दोनों रिपोर्ट में भारत के नजरिये को भी शामिल नहीं किया गया है। जबकि पाकिस्तान हमारे खिलाफ दुष्प्रचार के लिए इन रिपोर्टों का इस्तेमाल कर रहा है। कांग्रेस नेता ने सरकार से कहा कि पाकिस्तान की इस हरकत को वह गंभीरता से ले, क्योंकि भले ही हम देश में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त की रिपोर्ट को खारिज कर दें, लेकिन दुनिया के तमाम देशों की राजधानियों में इसे गंभीरता से पढ़ा जाता है।

पैराग्लाइडिंग हादसे में यूट्यूब स्टार ग्रांट थांपसन की मौत

लॉस एंजिलिस, एएफपी : यूट्यूब पर अपने लोकप्रिय चैनल 'द किंग ऑफ रैंडम' से मशहूर अमेरिकी ग्रांट थांपसन की एक पैराग्लाइडिंग हादसे में मौत हो गई। 38 वर्षीय ग्रांट बीते सोमवार को अमेरिका के उटाह में पैराग्लाइडिंग ट्रिप पर गए थे, जहां वह हादसे का शिकार हो गए। ग्रांट के यूट्यूब पर एक करोड़ दस लाख से ज्यादा सब्सक्राइबर हैं।

चैनल पर डाले गए उनके वीडियो को अरबों बार देखा जा चुका है। वाशिंगटन काउंटी शेरिफ के दफ्तर ने अपनी फेसबुक पोस्ट में बताया कि बचाव दल ने दुर्घटनाग्रस्त पैराग्लाइडर को ढूंढ़ निकाला है। उसमें मौजूद वीडियो रिकार्डिंग उपकरण के जरिये दुर्घटना की वजह का पता लगाया जा रहा है। शरीर पर लगे जीपीएस डिवाइस की मदद से ग्रांट थांपसन के शव का पता चला। ग्रांट की मौत की खबर से उनके प्रशंसकों में शोक की लहर है। यूट्यूब के जरिये प्रसिद्धि पाने से पहले वह 11 वर्षों तक पायलट की नौकरी कर चुके थे।

ओबामा ने बनवाए थे शरणार्थी बच्चों के लिए हिरासत केंद्र

वाशिंगटन, एएनआइ : अमेरिका में शरणार्थियों का मामला बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनता जा रहा है। शरणार्थियों के खिलाफ अपनी सख्त नीति को लेकर विपक्षी डेमोक्रेट नेताओं के निशाने पर आए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि इस समस्या के लिए पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा जिम्मेदार हैं। ट्रंप ने बुधवार को ट्वीट किया, 'ओबामा प्रशासन ने 2014 में बच्चों के लिए हिरासत केंद्र बनाए थे। बच्चों को मां-बाप से अलग रखने की नीति की शुरुआत उन्होंने ही की थी। हालात सुधरते नहीं देख मैंने इसे खत्म कर दिया।' उल्लेखनीय है कि भारी विरोध के कारण ही राष्ट्रपति ट्रंप ने शरणार्थी बच्चों को उनके मां-बाप से अलग रखने का अपना आदेश वापस लिया था।

अगले साल होने वाले चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी हासिल करने की होड़ में शामिल सीनेटर कमला हैरिस ने हाल में फ्लोरिडा के एक बाल शरणार्थी हिरासत केंद्र का दौरा किया था। एक अन्य डेमोक्रेट सीनेटर माइकल बेनेट ने भी इस मुद्दे पर ट्रंप प्रशासन को घेरते हुए कहा था कि बच्चों को स्कूल में होना चाहिए ना कि किसी हिरासत केंद्र में। कोर्ट में दाखिल एक दस्तावेज में अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन ने आरोप लगाया है कि ट्रंप प्रशासन ने 900 से ज्यादा बच्चों को उनके परिवारों से अलग कर दिया।

▶ विपक्षी डेमोक्रेट नेताओं के निशाने पर आए राष्ट्रपति ट्रंप ने दिया जवाब

डोनाल्ड ट्रंप। एपी

अफगानिस्तान की सेना के अधिकारी ने किया आइएमए का दौरा

जागरण संवाददाता, देहरादून : अफगानिस्तान सेना के डिफेंस अटैची (रक्षा से जुड़े) कर्नल करिमुल्लाह करीमी दो दिवसीय दौरे पर भारतीय सैन्य अकादमी (आइएमए) पहुंचे हैं। इस दौरे का उद्देश्य अकादमी में प्री-मिलिट्री ट्रेनिंग प्राप्त कर रहे अफगानिस्तान के जेंटलमैन कैडेटों से मुलाकात कर उनसे प्रशिक्षण के अनुभव जानना है। यहां पहुंचने पर उन्होंने अकादमी के उप समादेशक व मुख्य प्रशिक्षक मेजर जनरल जीएस रावत से भी भेंट की और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

साथ ही आइएमए में सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अफगानिस्तान के कैडेटों से मुलाकात की। अकादमी के उप समादेशक मेजर जनरल रावत से भी उन्होंने भारत व अफगानिस्तान के द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। भारतीय सेना द्वारा अफगानिस्तान को मिल रहे सकारात्मक मिलिट्री व प्रशासनिक सहयोग पर भी उन्होंने सेना व अकादमी का धन्यवाद किया। यह उम्मीद जताई कि दोनों देशों के सामरिक संबंध आने वाले समय में और बेहतर होंगे।

गुलाम कश्मीर के जमीनी हालात बदलने में जुटा पाक

वाशिंगटन, एएनआइ : पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान से जुड़े राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान पर इलाके की जनसांख्यिकी (डेमोग्राफी) में बदलाव करने का आरोप लगाया है। कहा है कि इसके जरिये पाकिस्तान इलाके के मूलवासियों की आवाज और अपेक्षाओं को दबाना चाहता है। ऐसा वह इलाके पर अपना कब्जा बरकरार रखने के लिए कर रहा है। इन लोगों ने गुलाम कश्मीर को जम्मू-कश्मीर का अविभाज्य अंग बताया है।

इंस्टीट्यूट फॉर गिलगित बाल्टिस्तान स्टडीज, वाशिंगटन में कार्यरत सेंग एच. सेरिंग ने कहा, पाकिस्तान कानूनी मान्यताओं को उल्लंघन कर कब्जे वाले कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान इलाके में बाहरी लोगों को बसा रहा है। प्राकृतिक संपदा से भरपूर जमीन के बाहरी लोगों अवैध रूप से पट्टे दे रहा है। चीन को भी इलाके का एक हिस्सा दे दिया गया है। यह स्टेट सबजेक्ट रूल गिलगित-बाल्टिस्तान का उल्लंघन करते हुए किया जा रहा है। यहां पर आकर किसी भी प्रांत के पाकिस्तानी अब जमीन खरीद सकते हैं और बस सकते हैं। पाकिस्तान धीरे-धीरे जम्मू-कश्मीर के इस हिस्से की पहचान खत्म करता जा रहा है। वह वहां पर अतिक्रमण कर इसे पाकिस्तान का हिस्सा बनाने पर आमादा है। यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी के केंद्रीय सचिव जामिल मकसूद ने कहा कि पाकिस्तान ने पहले जम्मू-कश्मीर पर कब्जा किया। इसके बाद वहां पर कब्जा कायम करने के लिए हर तरह का हथकंडा अपनाया। अब वहां रहने वाले कश्मीरी नागरिक पाकिस्तान की अंतहीन तानाशाही वाला शासन झेलने को मजबूत हैं जिसमें उसकी सेना की सबसे बड़ी भूमिका है।

▶ कब्जा बरकरार रखने को जम्मू-कश्मीर के हिस्से की पहचान

▶ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जनसांख्यिकी में बदलाव करने का लगाया आरोप

यूएई अगले साल जुलाई में मंगल पर भेजेगा अंतरिक्ष यान

दुबई, प्रेट्र : संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) अगले साल जुलाई में मंगल पर अपना अंतरिक्ष यान भेजेगा। 'होप प्रोब' नाम का यह यान मंगल पर भेजा जाने वाला अरब जगत का पहला अंतरिक्ष यान होगा। इस अंतरिक्ष अभियान का नाम अमीरात मंगल मिशन (ईएमएम) रखा गया है। इसमें मंगल के वातावरण के विभिन्न स्तरों से लेकर इस बात का भी पता लगाया जाएगा कि लाल ग्रह से हाइड्रोजन और ऑक्सीजन खत्म होने के क्या कारण रहे। यूएई के इस यान को जापान के तानेगाशिमा स्पेस सेंटर से लांच किया जाएगा। यान के 2021 की पहली तिमाही में मंगल पर पहुंचने की संभावना जताई गई है।

यूएई स्पेस एजेंसी (यूएईएसए) और मुहम्मद बिन राशिद स्पेस सेंटर (एमबीआरएससी) ने कहा है कि अगर यह मिशन सफल रहा तो यह मंगल के वातावरण की तस्वीरें लेने वाला पहला यान होगा। यूएईएसए के अध्यक्ष अहमद बेलहौल अल फलासी ने कहा है कि इस मिशन की सफलता अरब और इस्लामिक जगत के लिए बड़ी उपलब्धि होगी।